Lecture Series — 88
Date — 24/07/2020

Social factors of Division of Labour

यह कारक मुख्यतः तीन हैं :-

1) Size of Population — दुर्खीम का मानना है कि समाज में जनसंख्या में निरंतर वृद्धि होती रहती है। जनसंख्या वृद्धि के कारण ही समाज के आकार में वृद्धि होती है। जब कभी भी समाज का आकार बढ़ता है, तब व्यक्तियों की आवश्यकताएँ भी बढ़ने लगती हैं। यही दशा श्रम-विभाजन को प्रोत्साहन देने वाला प्रमुख कारक बन जाता है।

2) Material Density — भौतिक घनत्व से दुर्खीम का तात्पर्य जनसंख्या के उस घनत्व से है जो किसी विशेष क्षेत्र में पाया जाता है। किसी समाज में जब जनसंख्या में वृद्धि होती है, तब बड़ा जनसंख्या का घनत्व अथवा भौतिक घनत्व भी बढ़ने लगता है। इसी के साथ व्यक्तियों की आवश्यकताओं में और अधिक वृद्धि होती है। आवश्यकताएँ बढ़ने के साथ बड़ी मात्रा में उत्पादन की आवश्यकता अनुभव की जाने लगती है जिसके फलस्वरूप श्रम विभाजन में वृद्धि होने लगती है। इसी स्तर पर श्रम-विभाजन का सामाजिक पक्ष उसके आर्थिक पक्ष से मिलने लगता है।

3) Moral Density — इस शब्द का प्रयोग दुर्खीम ने व्यक्तियों की एक ऐसी नैतिकता को स्पष्ट करने के लिए किया जिसके फलस्वरूप सामाजिक संबंधों की प्रकृति में परिवर्तन होने लगता है। उनका विचार है कि जब संघात के साधनों में वृद्धि होने से व्यक्तियों तथा समूहों के संबंधों में घनिष्ठता उत्पन्न होने लगती

है, तर्क इस है नैतिक घनत्व में होने वाली वृद्धि मानना चाहिए। प्राचीन समाजों में व्यक्तियों के संबंध अपने परिवार अथवा एक छोटे से समूह तक ही सीमित थे। इस समय उनके संबंधों का आधार केवल सामाजिक था, आर्थिक अथवा वैधानिक नहीं। इसके पश्चात जैसे-जैसे विभिन्न समूहों में जनसंख्या की वृद्धि हुई तथा उनकी आवश्यकताएँ बढ़ने लगी, इन बढ़ी हुई आवश्यकताओं को पूरा करने एवं व्यक्तियों के व्यवहारों पर प्रभावपूर्ण ढंग से नियंत्रण स्थापित करने के लिए परिवहन एवं संचार के साधनों का विकास होने लगा। संचार से उत्पन्न होने वाले नये संबंधों को नियंत्रित स्थापित करने के लिए उनके बीच वैधानिक संबंधों की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। यही कारण है कि आरंभ में जो श्रम-विभाजन पूर्णतया सामाजिक था, इसमें आर्थिक तथा वैधानिक विशेषताओं का समावेश होने लगा। स्पष्ट है कि व्यक्तियों के अंतर्संबंधों की प्रकृति में होने वाले परिवर्तन को ही दुर्खीम ने समाज में उत्पन्न होने वाली नयी नैतिकता के रूप में स्वीकार किया तथा इसे श्रम-विभाजन को प्रोत्साहन देने वाले एक प्रमुख सामाजिक कारक के रूप में प्रस्तुत किया।

Scanned with CamScanner